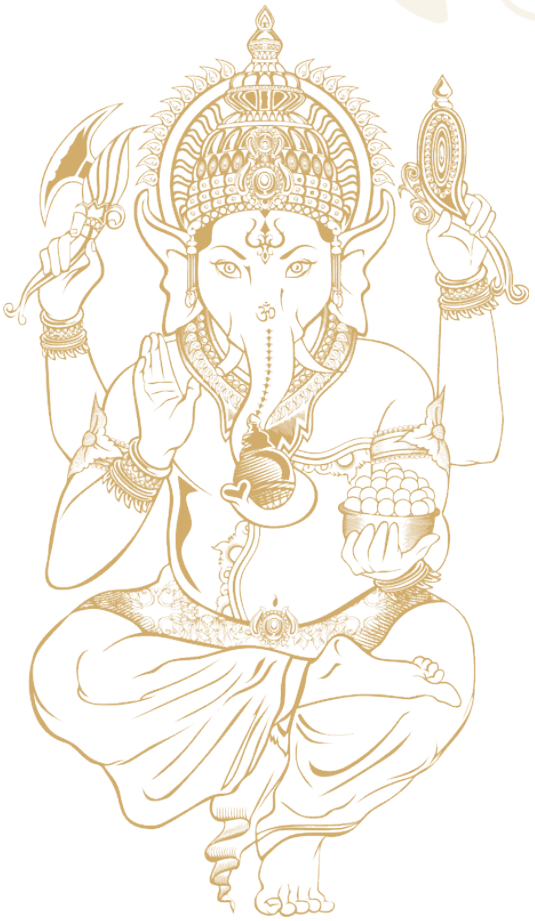

27 Nov 1997

11:55 PM

Muzaffarpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121116708

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**27/11/1997**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**23:55:00 घंटे**
इष्ट	44:07:51 घटी
स्थान	**Muzaffarpur**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:07:00 उत्तर
रेखांश	85:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:11:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:06:32 घंटे
वेलान्तर	00:12:25 घंटे
साम्पातिक काल	04:33:21 घंटे
सूर्योदय	06:15:51 घंटे
सूर्यास्त	16:56:19 घंटे
दिनमान	10:40:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	11:43:18 वृश्चिक
लग्न के अंश	16:45:47 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शोभन
करण	वणिज
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रो-रोहिणी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	16:45:47	321:28:41	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	---
सूर्य			वृश्चि	11:43:18	01:00:46	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			तुला	14:42:01	12:20:13	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	सम राशि
मंगल			धनु	20:16:01	00:46:07	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
बुध			धनु	03:12:22	01:04:29	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	सम राशि
गुरु			मक	22:14:08	00:08:51	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शुक्र			धनु	26:39:13	00:47:24	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
शनि	व		मीन	20:01:20	00:01:59	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
राहु	व		सिंह	22:37:09	00:10:17	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	22:37:09	00:10:17	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	11:43:39	00:02:09	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
नेप			मक	04:01:29	00:01:33	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	11:38:51	00:02:22	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	16:09:00	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:34

लग्न-चलित

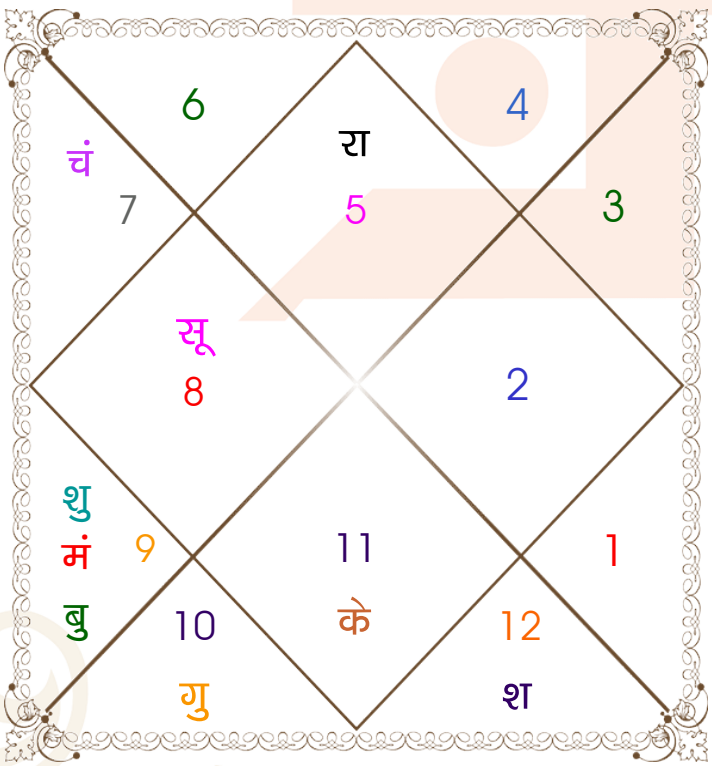

चन्द्र कुंडली

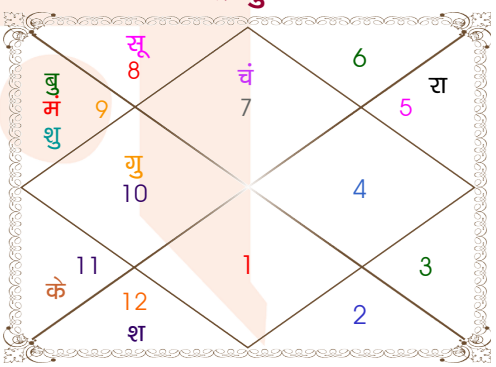

नवमांश कुंडली

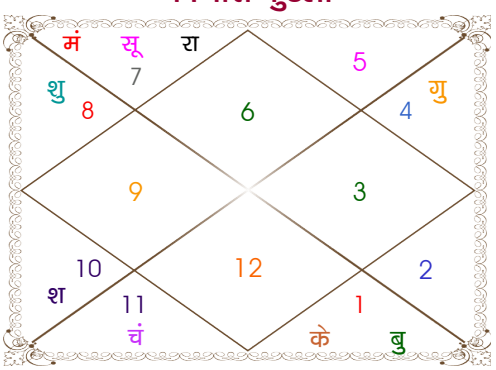

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 7 वर्ष 1 मास 26 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
27/11/1997		23/01/2005		23/01/2021		23/01/2040		23/01/2057	
23/01/2005		23/01/2021		23/01/2040		23/01/2057		23/01/2064	
	00/00/0000	गुरु	13/03/2007	शनि	26/01/2024	बुध	21/06/2042	केतु	21/06/2057
	00/00/0000	शनि	23/09/2009	बुध	06/10/2026	केतु	18/06/2043	शुक्र	21/08/2058
	00/00/0000	बुध	30/12/2011	केतु	14/11/2027	शुक्र	18/04/2046	सूर्य	27/12/2058
	27/11/1997	केतु	05/12/2012	शुक्र	14/01/2031	सूर्य	23/02/2047	चंद्र	28/07/2059
केतु	12/08/1998	शुक्र	06/08/2015	सूर्य	27/12/2031	चंद्र	24/07/2048	मंगल	24/12/2059
शुक्र	12/08/2001	सूर्य	24/05/2016	चंद्र	27/07/2033	मंगल	21/07/2049	राहु	11/01/2061
सूर्य	06/07/2002	चंद्र	23/09/2017	मंगल	05/09/2034	राहु	08/02/2052	गुरु	17/12/2061
चंद्र	05/01/2004	मंगल	30/08/2018	राहु	12/07/2037	गुरु	16/05/2054	शनि	26/01/2063
मंगल	23/01/2005	राहु	23/01/2021	गुरु	23/01/2040	शनि	23/01/2057	बुध	23/01/2064

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
23/01/2064		23/01/2084		23/01/2090		23/01/2100		24/01/2107	
23/01/2084		23/01/2090		23/01/2100		24/01/2107		00/00/0000	
शुक्र	25/05/2067	सूर्य	12/05/2084	चंद्र	23/11/2090	मंगल	22/06/2100	राहु	06/10/2109
सूर्य	24/05/2068	चंद्र	11/11/2084	मंगल	24/06/2091	राहु	10/07/2101	गुरु	01/03/2112
चंद्र	23/01/2070	मंगल	18/03/2085	राहु	23/12/2092	गुरु	16/06/2102	शनि	06/01/2115
मंगल	25/03/2071	राहु	10/02/2086	गुरु	24/04/2094	शनि	26/07/2103	बुध	25/07/2117
राहु	25/03/2074	गुरु	29/11/2086	शनि	24/11/2095	बुध	22/07/2104	केतु	28/11/2117
गुरु	23/11/2076	शनि	11/11/2087	बुध	24/04/2097	केतु	18/12/2104		00/00/0000
शनि	23/01/2080	बुध	17/09/2088	केतु	23/11/2097	शुक्र	17/02/2106		00/00/0000
बुध	23/11/2082	केतु	23/01/2089	शुक्र	25/07/2099	सूर्य	25/06/2106		00/00/0000
केतु	23/01/2084	शुक्र	23/01/2090	सूर्य	23/01/2100	चंद्र	24/01/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 7 वर्ष 1 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि की विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगी। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगी। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगी। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाली, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाली, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगी। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने की इच्छुक रहेंगी तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगी।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगी। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगी। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगी।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगी-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगी। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगी। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपनी भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगी। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर अपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकती है।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगी कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य महिला की तरह भरण पोषण करती हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगी।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगी।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकती है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

परन्तु आपको सोमवार एवं शनिवार के प्रति सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।